been registered with the Police. The result of the investigations by the Police are still awaited.

Bank Accounts Abroad

419. Shri P. G. Sen: Will the Minister of Finance be pleased to state the name of the individual concern which has the largest bank account abroad?

The Deputy Prime Minister and Minister of Finance (Shri Morarji Desai): The information is being collected and will be laid on the Table of the House.

चौथी पंचवर्षीय योजना में पिछड़े राज्यों का विकास

420. श्री प० ला० बारूपाल : क्या योजना मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि आगामी चौथी पंचवर्षीय योजना की अवधि में राज्यों के विकास के लिये योजना आयोग ने राज्य सरकारों को जनसंख्या के आधार पर सहायता देने का निर्णय किया है;

(ख) यदि हां, तो विकास के लिए जनसंख्या के आधार पर राजस्थान जैसे पिछड़े राज्यों के लिये चौथी पंचवर्षीय योजना में कितनी राशि नियत करने का विचार है;

(ग) क्या राजस्थान नहर के निर्माण-कार्य को शीघ्र पूरा करने के लिये खर्च की जाने वाली राशि को भी जनसंख्या अनुपात के आधार पर ही निर्धारित किया जायेगा; और

(घ) यदि हां, तो उक्त निर्णय के अनुसार राजस्थान सरकार को आवंटित की जाने वाली राशि सभी विकास कार्यों के लिये पर्याप्त होगी ?

योजना, पेट्रोलियम तथा रसायन और समाज कल्याण मंत्री (श्री अशोक मेहता) : (क) और (ख) : जी, नहीं । राज्यों की चौथी पंचवर्षीय योजनाओं में केन्द्रीय सहायता का निश्चय करते समय योजना आयोग ने कई बातों का ध्यान रखा है जैसे कि जनसंख्या, बड़ी सिंचाई व बिजली स्कीमों को जारी रखने की आवश्यकता, आपेक्षिक पिछड़ापन, आदि ।

राज्यों के मुख्य मंत्री और योजना आयोग के बीच नवम्बर, 1966 में हुए विचार-विमर्श के दौरान तय किया गया था कि राजस्थान की चौथी योजना की वित्त व्यवस्था 313 करोड़ रुपये होगी और केन्द्री सहायता 227 करोड़ रुपये होगी ।

(ग) और (घ) चौथी योजना की सम्मत व्ययव्यवस्था के अन्तर्गत राजस्थान नहर सम्बंधी कार्य के लिये 32.63 करोड़ रुपये का उपबन्ध शामिल है। राजस्थान नहर सम्बन्धी कार्य पर खर्च का यह अनुमान चौथी पंचवर्षीय योजना तैयार करने के समय गठित तकनीकी कार्यकारी दल ने लगाया था ।

बम्बई में चांदी का पकड़ा जाना

421. श्री प० ला० बारूपाल :
श्री हुकम चन्द कछवाय :
श्री राम सिंह आयरवाल :
श्री भारत सिंह चौहान :
श्री सिद्धेश्वर प्रसाद :
श्री विश्वनाथ पाण्डेय :

क्या वित्त मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि केन्द्रीय सीमा शुल्क अधिकारियों ने 11 अप्रैल, 1967 को बम्बई बन्दरगाह पर 3½ टन अथवा इससे अधिक चांदी पकड़ी ;

(ख) यदि हां, तो इस चांदी का रुपयों में मूल्य कितना है, इसे ले जाने वाले व्यक्तियों

के नाम क्या थे तथा किन कम्पनियों के जहाजों पर यह चांदी ले जाई जा रही थी;

(ग) क्या इस सम्बन्ध में कुछ व्यक्तियों को गिरफ्तार किया गया है; और

(घ) यदि हां, तो उनके नाम पते तथा व्यवसाय क्या हैं?

उपप्रधान मंत्री तथा वित्त मंत्री (श्री मोरारजी देसाई) : (क) और (ख). बम्बई केन्द्रीय उत्पादन शुल्क समाहर्ता कार्यालय के अफसरों ने 12 अप्रैल, 1967 बड़े सवेरे ही बम्बई में रेवी बन्दर से कुछ दूर समुद्र में एक मशीनी जलयान तथा एक अन्य छोटे जलयान को रोका और दोनों जलयानों की तलाशी लेने पर 12 लाख रुपये की चांदी की, 2961·796 किलो ग्राम की 94 सिल्लें बरामद की। मशीनी जलयान तथा छोटे जलयान को पकड़ लिया गया है। इनके मालिक श्रीमती भवानी भाई अरमा कोली तथा श्री मुकुन्द बापू मावटे हैं।

(ग) और (घ). श्री नारायण कृष्णा मोती तथा श्री बालकृष्ण कृष्णा मोती नामक दो व्यक्ति मशीनी जल पर पाये गये थे और उनको गिरफ्तार कर लिया गया था। श्री अनन्त नारायण गजर नाम के एक अन्य व्यक्ति को बाद में गिरफ्तार किया गया। ये तीनों व्यक्ति मशीनी जलयान के चालक-दल के सदस्य बताये जाते हैं।

Disorders of Loop

422. **Shri C. K. Bhattacharya:** Will the Minister of **Health and Family Planning** be pleased to state:

(a) whether it is a fact that a large number of village women who had the loops introduced from the old hospital in Kalyani (24 Parganas), West Bengal have approached the hospital to have the loops taken out;

(b) whether it is a fact that they have complained that as a result of the introduction of the loops, they are suffering from various ailments; and

(c) whether any inquiry has been made why the loops led to such injurious consequences?

The Deputy Minister in the Ministry of Health and Family Planning (Shri B. S. Murthy): (a) to (c). The facts are being ascertained from the Government of West Bengal and will be furnished as soon as available.

Foreign Loans

423. **Shri Yagnik:** Will the Minister of **Finance** be pleased to state:

(a) the amount of foreign exchange required for the payment of interest charges and instalments on the foreign debt due from Government, the public and private sectors during the Fourth Five Year Plan;

(b) the methods of repaying these interest and instalment dues; and

(c) whether Government have decided to repay these dues from any new loans negotiated by Government as was done during the Third Five Year Plan?

The Deputy Prime Minister and Minister of Finance (Shri Morarji Desai): (a) The amount of foreign exchange required is estimated to be Rs. 2,030 crores, comprising of Rs. 871 crores on account of payment of interest charges and Rs. 1,159 crores on account of repayment of principal amounts.

(b) These dues are paid from our export earnings and other foreign exchange receipts.

(c) The possibility is being explored of securing refinancing or re-scheduling facilities, in respect of debt servicing.